आठवीं कक्षा

प्रथम तिमाही

क्र.सं. अंश	अपेक्षित उपलब्धियाँ	प्रदर्शन सूचकः A / B / C		
		प्रथम तिमाही	द्वितीय तिमाही	तृतीय तिमाही
	सुनना			
01.	बच्चे को सस्वर व दोहराकर कविता सुनाकर उसमें भाव ग्रहण कर सकना। उदाहरण : पाठ में आयी कविता सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछें।			
02.	बच्चे पाठ से संबंधित अवतरणों को सुनकर समझ सकना। उदाहरण : पाठ में आये अवतरण पढ़कर सुनायें और प्रश्न पूछे।			
03.	बालक पाठ के अवतरण सुनकर समझकर उसमें अंतर्निहित संदेशों के संबंध में पूर्वानुमान लगा सकना। उदाहरण : प्रश्न पूछना - (हमें सफ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। ऐसा न करने पर क्या होगा।)			
	बोलना			
01.	दो या तीन वाक्यों में समझे गये पाठ का उत्तर दे सकना। उदाहरण : 'श्रम कभी व्यर्थ नहीं होता।' कहाँ तक सही है, इस पर चर्चा करो।			
02.	चित्र की सहायता से कहानी बोल सकना। उदाहरण : चित्र कथा दिखाएँ। 			
03.	कक्षा और बाहर सीखे गये वाक्यों का प्रयोग, बातचीत में ला सकना। उदाहरण : किसी विषय पर चर्चा कराएँ। जैसे - चिड़ियाघर			

प्रथम तिमाही

क्र.सं. अंश	अपेक्षित उपलब्धियाँ	प्रदर्शन सूचकः A / B / C		
		प्रथम तिमाही	द्वितीय तिमाही	तृतीय तिमाही
	पढ़ना			
01.	धारा प्रवाह, उतार-चढ़ाव के साथ पढ़ सकना। (कविता के लिए रागयुक्त वाचन कर पाना।) उदाहरण : फूल की चाह, जन गण मन, वंदेमातरम आदि।			
02.	मौन वाचन की जाँच कर सकना। उदाहरण : सभी छात्रों को किसी एक पाठ का अवतरण देकर प्रश्न पूछना।			
03.	कठिन शब्दों का सही उच्चारण के साथ अर्थग्रहण करते हुए पढ़ सकना। उदाहरण : स्वतंत्रता, योद्धा, कार्यक्षेत्र, मंदबुद्धि, ब्रह्मा, विभ्रमता, सिद्धांत आदि।			
	लिखना			
01.	बालक किसी स्थान का वर्णन व साधारण विषयों के लिए पत्र व्यवहार कर सकना। उदाहरण : हिंदी, स्वास्थ्य, त्यौहार का महत्व बताते हुए पत्र लिखना आदि।			
02.	बालक वाक्यों के लिंग, वाचन, संरचना व मुहावरों का संदर्भ के अनुसार लिखित व व्यावहारिक प्रयोग कर सकना। उदाहरण : अकल की दुहाई देना, चंपत हो जाना, ठिठक रह जाना आदि।			
03.	बालक परिचित व साधारण कविता, कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिख सकना। उदाहरण : फूल की चाह, जैसे को तैसा, अभ्यास का महत्व आदि का कोई अवतरण देकर उसका सार लिखने को कहना।			
	प्रथम तिमाही ग्रेडः			

आठवीं कक्षा

द्वितीय तिमाही

क्र.सं. अंश	अपेक्षित उपलब्धियाँ	प्रदर्शन सूचकः A / B / C		
		प्रथम तिमाही	द्वितीय तिमाही	तृतीय तिमाही
	सुनना			
01.	बालक साधारण कविता व अवतरण सुनकर उसका भाव समझ सकना। उदाहरण : पाठ से संबंधित कोई भी अवतरण सुनाकर अर्थग्राह्यता की जाँच कर सकता है।			
02.	बालक निर्दिष्ट विषय सामग्रियों को सुनकर प्रतिक्रिया कर सकना। उदाहरण : पर्वत, त्यौहार, व्यवसाय, समता भाव, नगर वर्णन, अस्पृश्यता संबंधी विषयों पर सुनकर प्रतिक्रिया कर सकना।			
03.	वे दूसरों को सुनकर और समझकर उस पर उपयुक्त प्रतिक्रिया दे सकना, जो उस व्यक्ति, स्थान एवं संभाषण के अनुकूल हो।			
	बोलना			
01.	बालक विविध स्थानों एवं विषयों के संबंध में चर्चा में भाग ले सकना। उदाहरण : अध्यापक कोई विषय देगा। जैसे- नगर या गाँव का वर्णन, त्यौहार आदि।			
02.	बालक विविध चुनौतीपूर्ण संदर्भ, अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारी व विविध संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकना। उदाहरण : घरेलू उद्योग को बनाये रखना, बेरोज़गारी मिटाना, भेदभाव रहित समाज के निर्माण में सहयोग देने संबंधी सुझाव छात्रों से पूछे जा सकते हैं।			
03.	बालक संदर्भानुसार अपने विचार प्रभावी ढंग से सरल शब्दों में व्यक्त कर सकना। उदाहरण : अध्यापक छात्रों को छोटे-छोटे संदर्भ विषय पर्वत, भारत माता, डॉ. अंबेडकर आदि मुद्दे देकर पर भाग ले सकना। आदि।			

द्वितीय तिमाही

क्र.सं. अंश	अपेक्षित उपलब्धियाँ	प्रदर्शन सूचकः A / B / C		
		प्रथम तिमाही	द्वितीय तिमाही	तृतीय तिमाही
	पढ़ना			
01.	बालक विराम चिह्नों का पालन करते हुए आरोह-अवरोह के साथ लिखित सामग्री पढ़ सकना।			
02.	बालक अपने स्तर की सामग्री अर्थग्रहण करते हुए पढ़ सकना। उदाहरण : पुस्तकालयों की सरल पुस्तकें।			
03.	बालक संवाद, प्रश्न वाक्य आदि का हाव-भाव के साथ अभिव्यक्त कर सकना।			
	लिखना			
01.	बालक परिचित सामग्री का भावार्थ या भाव अपने शब्दों में लिख सकना।			
02.	बालक किसी नगर चित्र, ऐतिहासिक स्थल, दर्शनीय स्थल के बारे में अपने शब्दों में लिख सकना।			
03.	बालक शब्द भेद जैसे- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण आदि शब्दों का उचित क्रम में प्रयोग कर सकना। उदाहरण : शब्द क्रम में लिखकर वाक्य शुद्ध कीजिए। **1**. देश भारत है हमारा। **2**. रहता गोपाल है गाँव में। **3**. प्रशंसा की बच्चों ने सब की। **4**. हम बढ़ें साथ मिलकर सब। **5**. हो कहाँ रहे जा तुम।			
	द्वितीय तिमाही ग्रेडः			

सूचनाएँः

1. एक कौशल के अंतर्गत कई अंश होते हैं। पहले अंशों के आधार पर LEP मार्गदर्शक सूत्रों का पालन करते हुए A या B या C ग्रेड देना चाहिए। (A - 80% से अधिक, B - 50% - 79% , C - 50% के भीतर)
2. अंशों के आधार पर प्राप्त ग्रेडों को तत्संबंधी कौशलों में निम्न तरीके से प्रदर्शित करना चाहिए।
   - (i) 3 अंश 'A' होने पर, 'A' ग्रेड प्रदान करें।
     2 अंश 'A' होने पर, 'B' ग्रेड प्रदान करें।
     शेष संदर्भों में 'C' ग्रेड प्रदान करें।
   - (ii) 5 अंशों में '4' या '5' अंशों में 'A' होने पर, 'A' ग्रेड प्रदान करें।
     '3' या '4' अंशों में 'A' होने पर, 'B' ग्रेड प्रदान करें।
   - (iii) 7, 10 इस तरह चाहे जितने भी अंश हों, उन्हें उक्त अनुपात में ही ग्रेड प्रदान करें।
3. कौशलानुसार प्राप्त ग्रेडों के आधार पर त्रैमासिक ग्रेड प्रदान करें।

आठवीं कक्षा

तृतीय तिमाही

क्र.सं. अंश	अपेक्षित उपलब्धियाँ	प्रदर्शन सूचकः A / B / C		
		प्रथम तिमाही	द्वितीय तिमाही	तृतीय तिमाही
	सुनना			
01.	बालक किसी की बात सुनकर पूर्वानुमान लगा सकें कि उन्हें क्या करना है।			
02.	बालक कविता सुनकर उससे संबंधित सौंदर्यानुभूति कर सकना।			
03.	बालक हिंदी की बोलियों से संबंधित मध्यकालीन कविताओं के भाव एवं महत्व समझते हुए उनके संदर्भ में प्रतिक्रिया कर सकना।			
	बोलना			
01.	बालक किसी अर्थपूर्ण, रोचक व चुनौतीपूर्ण संदर्भों के प्रति चर्चा में भाग ले सकना।			
02.	बालक महापुरुषों, भारत के स्वरूप जैसे- गाँव के वातावरण, यहाँ के त्यौहार आदि के महत्व एवं विशेषता के संदर्भ में चर्चा में भाग ले सकना।			
03.	बालक वैज्ञानिक उपकरणों के लाभ एवं हानियों के बारे में बातचीत कर सकना।			

तृतीय तिमाही

क्र.सं. अंश	अपेक्षित उपलब्धियाँ	प्रदर्शन सूचकः A / B / C		
		प्रथम तिमाही	द्वितीय तिमाही	तृतीय तिमाही
	पढ़ना			
01.	बालक विविध प्रकार के छंदों की कविताएँ लयबद्ध ढंग से सस्वर वाचन कर सकना।			
02.	बालक अपने स्तर की कहानियाँ, कविताएँ, गीत, पत्र, पत्रिकाएँ, नाटक आदि अर्थग्रहण करते हुए पढ़ सकना।			
03.	बालक प्रस्तुतीकरण की सामग्री जैसे- समाचार, प्रतिवेदन, कविता आदि हाव-भाव के साथ अर्थपूर्ण ढंग से प्रस्तुत कर सकना।			
	लिखना			
01.	बालक अपने स्तर के विषय जैसे- दूरदर्शन, कंप्यूटर, पुस्तकालय, राष्ट्रभाषा हिंदी आदि पर रचना कार्य जैसे- पत्र-लेखन और निबंध के रूप में स्वअभिव्यक्ति कर सकना।			
02.	बालक पाठ में आये आधुनिक एवं मध्यकालीन कविताओं के भाव अपने शब्दों में लिख सकना।			
03.	बालक लिंग, वचन, वर्तनी, मुहावरे, आदि का प्रयोग करते हुए छोटी-छोटी रचनाएँ कर सकें। संख्यावाचक शब्द जैसे- डेढ़, ढाई, पौने, साढ़े एवं हज़ार तक की स्थानमूल्य समझ तथा अक्षरों में लिख सकना।			
	तृतीय तिमाही ग्रेड			
	वार्षिक ग्रेड			

सूचनाः त्रैमासिक ग्रेडों के आधार पर LEP मार्गदर्शक सूचनाओं का पालन करते हुए वार्षिक ग्रेड प्रदान करें।